# श्री बगलामुखी चालीसा

Temples.bio

नीचे दिए गए यूआरएल श्री बगलामुखी चालीसा का जाप करना और सुनना सीखें।

www.temples.bio/s-16

॥ दोहा ॥

नमो महाविधा वरदा ।
बगलामुखी दयाल ॥
स्तम्भन क्षण में करे ।
सुमरित अरिकुल काल ॥

नमो नमो पीताम्बर भवानी ।
बगलामुखी नमो कल्याणी ॥1॥
भक्त वत्सल शत्रु नाशनी ।
नमो महाविद्या वरदानी ॥2॥

अनृत सागर बीच तुन्हारा ।
रत्न जड़ित मणि मंडित प्यारा ॥3॥
स्वर्ण सिंहासन पर आसीना ।
पीताम्बर अति दिव्य नवीना ॥4॥

स्वर्णाभूषण सुंदर धारे ।
शिर पर चंद्र मुकुट श्रृंगारे ॥5॥
तीन नेत्र दो भुज मृणाला ।
धारे मुद्गर पाश कराला ॥6॥

भैरव करें सदा सेवरकाई ।
सिद्ध काम सब विघ्न नरसाई ॥7॥
तुम हताश का निपात सहारा ।
करे अकिंचन अरिकुल धारा ॥8॥

तुम काली तारा भवनेशी ।
त्रिपुरा सुंदरी भैरवी वेशी ॥9॥
छिन्नभाला धूम मातंगी ।
गायत्री तुम बगला रंगी ॥10॥

सकल शक्तियाँ तुम में साजें ।
ह्लीं बीज के बीज बिराजें ॥11॥
दुष्ट स्तंभन अरिकुल कीलन ।
मारण वशीकरण सम्मोहन ॥12॥

दुष्टोच्चाटन कारक माता ।
अरि जिह्वा कीलक संघाता ॥13॥
साधक के विपति की त्राता ।
नमो महामाया प्रख्याता ॥14॥

मुद्गर शिला लिये अति भारी ।
प्रेतासन पर किये सवारी ॥15॥
तीन लोक दस दिशा भवानी ।
बिचरहु तुम जन हित कल्याणी ॥16॥

अरि अरिष्ट सोचे जो जन को ।
बुद्धि नाशकर कीलक तन को ॥17॥
हाथ पांव बंधहुं तुम ताके ।
हनहु जिह्वा बीच मुद्गर बाके ॥18॥

चोरों का जब संकट आवे ।
रण में रिपुओं से घिर जावे ॥19॥
अनल अनिल बिप्लव घहरावे ।
वाद विवाद न निर्णय पावे ॥20॥

मूठ आदि अभिचारण संकट ।
राजभीति आपत्ति सन्निकट ॥21॥
ध्यान करत सब कष्ट नसावे ।
भूत प्रेत न बाधा आवे ॥22॥

सुमिरत राजद्वार बंध जावे ।
सभा बीच स्तंभवन छावे ॥23॥
नाग सर्प बृच्छिकादि भयंकर ।
खल विहंग भागहिं सब सत्वर ॥24॥

सर्व रोग की नाशन हारी ।
अरिकुल मूलोच्चाटन कारी ॥25॥
स्त्री पुरुष राज सम्मोहक ।
नमो नमो पीताम्बर सोहक ॥26॥

तुमको सदा कुबेर मनावें ।
श्री संवृद्धि सुयश नित गावें ॥27॥
शक्ति शौर्य की तुम्हिं विधाता ।
दुःख दारिद्र विनाशक माता ॥28॥

यश ऐश्वर्य सिद्धि की दाता ।
शत्रु नाशिनी विजय प्रदाता ॥29॥
पीताम्बर नमो कल्याणी ।
नमो मातु बगला महारानी ॥30॥

जो तुमको सुमरै चितरलई ।
योग क्षेम से करो सरहई ॥31॥
आपत्ति जन की तुरत निवारो ।
आधि व्याधि संकट सब टारो ॥32॥

पूजा विधि नहीं जानत तुम्हारी ।
अर्थ न अक्षर करहुं निहोरी ॥33॥
मैं कुपुत्र अति निवल उपाया ।
हाथ जोड़ शरणागत आया ॥34॥

जग में केवल तुम्हिं सहारा ।
सारे संकट करहुं निवारा ॥35॥
नमो महादेवी हे माता ।
पीताम्बर नमो सुखदाता ॥36॥

सौम्य रूप धारा बनती माता ।
सुख संपत्ति सुयश की दाता ॥37॥
रौद्र रूप धारा शत्रु संहारो ।
अरि जिह्वा में मुद्गर मारो ॥38॥

Temples.bio

नमो महाविद्या आगारा ।
आदि शक्ति सुंदरी अपारा ॥39॥
अरि भंजक विपत्ति की त्राता ।
दया करो पीताम्बरी माता ॥40॥

॥ दोहा ॥
ऋद्धि सिद्धि दाता तुन्हिं ।
अरि समूल कुल काल ॥
मेरी सब बाधा हरो ।
मम बगले तत्काल ॥

Temples.bio

नीचे दिए गए यूआरएल श्री बगलामुखी चालीसा का जाप करना और सुनना सीखें।
www.temples.bio/s-16